UNIVERSITY OF DELHI

CNC-II/093/1(22)/2022-23/ 197
Dated: 14.09.2022

NOTIFICATION

Sub: Amendment to Ordinance V

[E.C Resolution No. 18-1-20 dated 18.08.2022]

Following addition be made to Appendix-II-A to the Ordinance V (2-A) of the Ordinances of the University;

Add the following:

VALUE ADDITION COURSES (VACs)
UNDER
UGCF-2022
LISTED UNDER APPENDIX-II-A TO THE ORDINANCE V (2-A) OF THE ORDINANCES OF THE UNIVERSITY
(With effect from Academic Year 2022-23)

In pursuance of the objectives outlined in the National Education Policy 2020, the Value Addition Courses (VACs) seek to fulfil the mandate of providing holistic education to the students. As the NEP elucidates, "the purpose of the education system is to develop good human beings capable of rational thought and action, possessing compassion and empathy, courage and resilience, scientific temper and creative imagination, with sound ethical moorings and values." The Value Addition Courses will introduce students to the rich heritage of the nation as well as to important social concerns of the current times, helping them to make connections between what they learn and how they live.

The courses have a sound theoretical base as well as appropriate hands-on components. At the same time, they clearly set out measurable and attainable Learning Outcomes. Knowledge, in essence, being integrated, these courses are essentially multidisciplinary in nature.

Designed to ignite the intellectual curiosity of the learners, the Value Addition courses will inspire and guide them in their journey of personal and professional development making them thoughtful, well-rounded, and creative individuals, with a sense of service and responsibility towards the Nation.

A student who pursues any undergraduate programme in the University and its Colleges is offered a pool of Value Addition Courses, from which he has to choose one to study in the first Semester. A list of such courses as passed by the Executive Council in its meeting dated 18.08.2022 is as below:

SL.NO.	COURSE TITLE	TOTAL CREDITS: 2
1	Ayurveda and Nutrition	
2	Constitutional Values and Fundamental Duties	
3	Culture and Communication	
4	Digital Empowerment	
5	Emotional Intelligence	
6	Ethics and Culture	
7	Ethics and Values in Ancient Indian Traditions	
8	Financial Literacy	
9	Fit India	
10	Gandhi and Education	
11	Ecology and Literature	
12	National Cadet Corps-I	
13	Panchkosha: Holistic Development of Personality	
14	Reading Indian Fiction in English	
15	Science and Society	
16	Social and Emotional Learning	
17	Sports for Life-I	
18	Swachh Bharat	
19	The Art of Being Happy	
20	Vedic Mathematics-I	
21	Yoga: Philosophy and Practice	
22	भारतीय भक्ति : परम्परा और मानव मूल्य	
23	साहित्य संस्कृति और सिनेमा	
24	सृजनात्मक लेख के आयाम	

VAC 1: भारतीय भक्ति परंपरा और मानव मल्य

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
भारतीय भक्ति परंपरा और मानव मूल्य	02	1	0	1	Pass in Class 12th	NIL

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- भारतीय भक्ति की महान परंपरा, प्राचीनता और इसके अखिल भारतीय स्वरूप से छात्रों का परिचय कराना
- भारतीय भक्ति परंपरा के माध्यम से छात्रों में मानव मूल्यों और गुणों को जगाकर उनका चारित्रिक विकास करना और एक अच्छे मनुष्य का निर्माण करना ।
- छात्रों को भारतीय नैतिक, सांस्कृति क और सामाजिक मूल्यों के प्रति जागरूक करना ।
- भारतीय भक्ति परंपरा के माध्यम से राष्ट्रीयता और अखिल भारतीयता की भावना जागृत करना।

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- भारतीय भक्ति परंपरा के माध्यम से छात्रों में मानव मूल्यों और गुणों को विकास होगा और वे एक अच्छे और चरित्रवान मनुष्य बन सकेंगे ।
- भारतीय भक्ति परंपरा के सांस्कृतिक और सामाजिक पक्षों की जानकारी हो सकेगी।
- भक्ति की प्राचीनता और अखिल भारतीय स्वरूप की जानकारी से राष्ट्रीयता और अखिल

भारतीयता की भावना जागृत और मजबूत होगी।

• प्रमुख भक्त कवियों का परिचय और उनके विचारों की जानकारी हो सकेगी।

SYLLABUS OF परंपरा और मानव मूल्य

UNIT – I भारतीय भक्ति परंपरा **(5 Weeks)**

- भक्ति : अर्थ और अवधारणा
- भक्ति के वि भि न्न संप्रदाय और सि द्धांत
- भारत की सांस्कृति क एकता और भक्ति
- भक्ति का अखि ल भारतीय स्वरूप

UNIT – II भारत के कुछ प्रमुख भक्त और उनके वि चार **(5 Weeks)**

संत ति रुवल्लुवर , आण्डाल, अक्कमहादेवी, ललद्यद , मीराबाई, तुलसीदास, कबीरदास, रैदास, गुरु नानक, सूरदास, जायसी, तकु ाराम, नामदेव, नरसिहं मेहता, वेमना, कंु चन, नम्बियार, चतैन्य महाप्रभ,ु चंडीदास, सारला दास, शंकरदेव

UNIT – III मानव मूल्य और भक्ति **(5 Weeks)**

मानव मूल्य का अर्थ

चयनि त भक्त कवि यों की जीवन मूल्यपरक कवि ताएँ

Practical component (if any) – **(15 Weeks)**

- पाठ्यक्रम में उल्लिखित कवियों में से किसी एक कवि की रचनाओं में विभिन्न मानव मूल्यों के आधार पर प्रोजेक्ट
- वर्तमान समय में भक्ति की प्रासंगि कता को समझना; सर्वे और साक्षात्कार पद्धति के आधार पर.
- जीवन में मानव मूल्यों के प्रति पालन पर सर्वे और साक्षात्कार के आधार पर एक रि पोर्ट बनाना.

- उल्लिखित कवियों में से किसी एक कवि से संबंधि त किसी मठ, आश्रम या मंदिर आदि, अथवा कोई फिल्म/ डॉक्युमेंट्री के आधार पर रिपोर्ट बनाना.
- आवश्यक हो, तो छात्र प्रोजेक्ट रिपोर्ट के रूप में अपने अनुभव साझा करें
- **Any other Practical/Practice as decided from time to time**

Essential/recommended readings

- 'भक्ति का उद्भव और विकास तथा वैष्णव भक्ति के विविधरूप, भारतीय साहित्य का समेकित इतिहास, संपादक- डॉ नगेंद्र, हि ंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, पृष्ठ संख्या **215-250**
- कुछ प्रमुख कवियों के चयनित पद
- 'भक्ति आंदोलन और भक्ति काव्य', शिव कुमार मिश्र, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद, **1994**
- 'मानव मूल्य और साहित्य, डॉ धर्मवीर भारती, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली,**1999**

Suggested readings

- 'भक्ति के आयाम', डॉ. पी. जयरामन, वाणी प्रकाशन, नई दि ल्ली
- 'हि ंदी साहित्य का इतिहास, आचार्य रामचंद्र शुक्ल, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- 'मध्यकालीन हि ंदी काव्य का स्त्री पक्ष', डॉ. पूनम कुमारी, अनामि का पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्युटर्स, नई दिल्ली
- 'मध्यकालीन हि ंदी भक्ति काव्य: पुनर्मूल्यांकन के आयाम', डॉ. पूनम कुमारी, अनामि का पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्युटर्स , नई दिल्ली

Examination scheme and mode: Subject to directions from the Examination Branch/University of Delhi from time to time

VAC 1: साहित्य संस्कति और सिनेमा

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
साहित्य संस्कृति और सिनेमा	02	1	0	1	Pass in Class 12th	NIL

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- साहित्य , संस्कृति और सिनेमा के माध्यम से छात्रों का सर्वांगीण विकास करना
- छात्रों को नैतिक,सांस्कृति क और संवैधानि क मूल्यों के प्रति जागरूक करना
- भारतीय ज्ञान परंपरा,वैज्ञानि क दृष्टि कोण और तार्किक क्षमता को प्रोत्साहित करना
- साहित्य,संस्कृति और सि नेमा के माध्यम से राष्ट्र प्रेम की भावना जागृत करना
- सामूहिक कार्यों के माध्यम से सम्प्रेषण,प्रस्तुतीकरण एवं कौशल दक्षता विकसित करना

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- साहित्य ,संस्कृति और सिनेमा के माध्यम से नैतिक,सांस्कृतिक और संवैधानिक मूल्यों की समझ वि कसि त होगी
- भारतीय ज्ञान परंपरा और नैतिक मूल्यों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण बनेगा
- वैचारि क समझ एवं तार्किक क्षमता का विकास होगा
- परियोजना के माध्यम से संप्रेषण एवं प्रस्तुति करण दक्षता का विकास होगा
- छात्रों के व्यक्तित्व का सर्वां गीण विकास होगा

SYLLABUS OF **साहित्य संस्कृति और सिनेमा**

UNIT – I साहित्य,संस्कृति और सिनेमा का सामान्य परिचय (2 Weeks)

- साहित्य, संस्कृति और सिनेमा : परिभाषा और स्वरूप
- साहित्य , संस्कृति और सिनेमा का अंत:संबंध

UNIT – II साहित्यिक कृतियों पर आधारित सिनेमा (6 Weeks)

- साहित्यिक कृतियों पर आधारित सिनेमा में परिकल्पना
- साहित्यिक कृतियों पर आधारित सिनेमा की प्रासंगि कता
- साहित्यिक कृतियों पर आधारित सिनेमा- आनंदमठ 1952, तीसरी कसम 1966, रजनीगंधा 1974, पद्मावत 2016

UNIT – III हिन्दी सिनेमा में सामाजिक –सांस्कृतिक मूल्यों की अभिव्यक्ति (7 Weeks)

- सामाजि क - सांस्कृति क मूल्य
- सामाजि क - सांस्कृति क मूल्य के शक्ति शाली उपकरण के रूप में सि नेमा
- हि न्दी सि नेमा में अंतर्नि हि त सामाजि क- सांस्कृति क मूल्य – मदर इंडि या 1957, बंदिनी 1963, पूरब और पश्चि म 1970, हम आपके हैं कौन 1994, टॉयलेट: एक प्रेमकथा 2017

Practical component (if any) – (15 Weeks)

- भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों पर आधारित लघु फिल्म हेतु पटकथा लेखन **(8-10** मि नट **)**
- साहित्यिक रचनाओं का फिल्मांतरण **(8-10** मिनट **);** यह सामूहिक क्रियाकलाप होगा
- राष्ट्रप्रेम, कुटुंब, शांति , पर्या वरण, जल-संरक्षण, स्वच्छता,मित्रता, सत्यनिष्ठा, कर्मनिष्ठा, समरसता में से किसी एक विषय पर मूक फिल्म निर्माण **(8-10** मि नट**)**
- आवश्यक हो, तो छात्र प्रोजेक्ट रिपोर्ट के रूप में अपने अनुभव साझा करें
- **Any other Practical/Practice as decided from time to time**

Essential/Recommended readings

- 'संस्कृति क्या है (निबंध) ससं्कृति ,भाषा और राष्ट्र, रामधारी सिहं दिनकर, लोक भारती प्रकाशन,2008,पृष्ठ संख्या 60-64.
- साहित्य का उद्देश्य(निबंध) ,प्रेमचंद ,एस. के.पब्लिशर्स,नई दि ल्ली,1988,पृष्ठसंख्या 7-18.
- भारतीय संस्कृति के स्वर,महादेवी वर्मा , राजपाल एंड संस प्रकाशन 2017 .
- हि ंदी सिनेमा ; भाषा ,समाज और संस्कृति (लेख), पृष्ठ संख्या 11-18 भाषा ,साहित्य ,समाज और सस्कृति खंड 6,प्रो. लालचंद राम, अक्षर पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स,2020
- सिनेमा और साहित्य का अंतःसंबंध (लेख) पृष्ठ संख्या 30-34,साहित्य और सिनेमा, परुषोतम कंु दे (संपा.) साहित्य ससं्थान,2014
- साहित्यिक रचनाओं का फिल्मांतरण (लेख) पृष्ठ संख्या 206-212,लोकप्रिय सिनेमा और सामाजिक यथार्थ ,जवरीमल पारख, अनामि का पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स प्रा.लि., 2019

Suggested readings

- सिनेमा और संस्कृति ,राही मासूम रजा, वाणी प्रकाशन, प्रकाशन वर्ष, 2018.
- जीवन को गढ़ती फिल्में, प्रयाग शुक्ल
- सिनेमा और संसार, उदयन वाजपेयी
- साहित्य,संस्कृति और समाज परिवर्तन की प्रक्रि या(नि बंध)अज्ञेय, संपाoकृष्णदत्तपालीवाल, सस्ता साहित्य मंडल,नई दि ल्ली, 2010, पृष्ठसंख्या 25-41
- सिनेमा समकालीन सिनेमा ,अजय ब्रह्मात्मज,वाणी प्रकाशन,2006
- कल्चर इन्डस्ट्री रिकन्सि डर्ईः पृष्ठसंख्या- 98-106 कल्चरइन्डस्ट्रीःथ्योडोरएडोर्नो , राउटलेज (भारतीयसंस्करण)
- दि सिग्निफिकेन्स ऑफ कल्चर इन अन्डर्स्टैंडिग ऑफ सोशल चेंज इन कन्टेम्परिर इंडियाः पृष्ठसंख्या- 25-39.
- कल्चर चेंज इन इंडियाःआइडन्टिटी एंड ग्लोबलाइजेशनः योगेन्द्र सिहं .रावत पब्लिकेशन, जयपुर,भारत.

Examination scheme and mode: Subject to directions from the Examination Branch/University of Delhi from time to time

VAC 1: सृजनात्मक लेखन के आयाम

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
सृजनात्मक लेखन के आयाम	02	1	0	1	Pass in Class 12th	NIL

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- सृजनात्मकता और भाषायी कौशल का संक्षिप्त परिचय कराना
- विचारों का प्रभावी प्रस्तुति करण करना
- सजृनात्मक चितंन और लेखन क्षमता को विकसित करना
- मीडि या लेखन की समझ विकसित करना

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- सजृनात्मक चितंन और लेखन क्षमता का विकास हो सकेगा
- लेखन और मौखिक अभिव्यक्ति की प्रभावी क्षमता विकसित हो सकेगी
- मीडिया लेखन की समझ विकसित होगी
- विद्यार्थी में अपने परिवेश, समाज तथा राष्ट्र के प्रति संवेदनशीलता का विकास होगा

SYLLABUS OF सृजनात्मक लेखन के आयाम

UNIT – I सृजनात्मक लेखन **(5 Weeks)**

- सृजनात्मक लेखन : अर्थ, स्वरूप और बोध

• सृजनात्मक लेखन और परिवेश
• सृजनात्मक लेखन और व्यक्तित्व निर्माण

UNIT – II सृजनात्मक लेखन : भाषि क संदर्भ **(5 Weeks)**

• भाव और विचार का भाषा में रूपान्तरण
• साहित्यि क भाषा की विभिन्न छवि याँ
• प्रिटं तथा इलेक्ट्रोनिक माध्यमों की भाषा का अंतर

UNIT – III सृजनात्मकता लेखन – विविध आयाम **(5 Weeks)**

• कविता, गीत, लघु कथा
• हास्य - व्यंग्य लेखन,
• पल्लवन, संक्षेपण , अनुच्छेद

Practical component (if any) – **(15 Weeks)**

• कक्षा में प्रत्येक वि द्यार्थी द्वारा 'मेरी पहली रचना'शीर्षक से किसी भी विधा में लेखन
• किसी भी साहित्यिक रचना का भाषा की दृष्टि से विश्लेषण
• इकाई- 3 में उल्लिखित विधाओं में विद्यार्थि यों द्वारा लेखन एवं सामूहिक चर्चा
• प्रत्येक इकाई से संबन्धि त परि योजना कार्य:

i. समसामयिक विषयों पर किसी भी विधा में लेखन – बदलते जीवन मूल्य, महामारी, राष्ट्र निर्माण में छात्र की भूमि का, युवाओं के कर्तव्य, पर्यावरण संरक्षण, लोकतन्त्र में मीडिया की भमि का, ऑनलाइन शॉपि गं अथवा अन्य समसामयिक विषय

ii. कि सी उत्सव, मेला, प्रदर्शनी, संग्रहालय और कि सी दर्शनीय स्थल का भ्रमण तथा उस पर परियोजना कार्य

• प्रिटं माध्यम के खेल, राजनीति , आर्थिक और फिल्म जगत आदि से जड़ु ी सामग्री का भाषा की दृष्टि से विवेचन
• इलेक्ट्रोनि क माध्यम के समाचार, धारावाहिक, वि ज्ञापन आदि का भाषा की दृष्टि से विवेचन
• आवश्यक हो, तो छात्र प्रोजेक्ट रिपोर्ट के रूप में अपने अनुभव साझा करें

- Any other Practical/Practice as decided from time to time

Essential/recommended readings

- **लेखन एक प्रयास, हरीश चन्द्र काण्डपाल**
- **रचनात्मक लेखन, सं. रमेश गौतम**
- **साहित्य – चिंतन: रचनात्मक आयाम, रघुवंश**

Suggested readings

- अग्नि की उड़ान, अबुल कलाम आज़ाद
- टेलीवि जन की भाषा - हरीश चन्द्र बर्णवाल, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
- छोटे पर्दे का लेखन, हरीश नवल
- काव्यभाषा : रचनात्मक सरोकार, प्रो. राजमणि शर्मा
- कविता रचना प्रक्रिया, कुमार विमल

Examination scheme and mode: Subject to directions from the Examination Branch/University of Delhi from time to time

विकास गुप्ता
16/9/22
REGISTRAR